Import of Pharmaceuticals by S.T.C.

*194. SHRI S. M. BANERJEE: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Pharmaceuticals worth Rs. 1.50 crores were imported by the State Trading Corporation during the year 1965-66;

(b) whether the goods worth Rs. 80 lakhs were found to be useless;

(c) if so, whether any enquiry has been made; and

(d) the result of the enquiry?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI DINESH SINGH): (a) S.T.C. imported pharmaceuticals worth Rs. 1.16 crores during the two years 1965-67. Imports during 1965-66 were of the order of Rs. 28 lakhs.

(b) No, Sir.

(c) and (d) Do not arise.

गैर-सरकारी सेवकों के लिये स्थानों का आरक्षण

*196. **श्री ओम प्रकाश त्यागी** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात का पता है कि पहले दर्जे के यात्रियों के साथ यात्रा करने वाले गैर-सरकारी सेवकों के लिए आरक्षित स्थानों के अभाव में यात्री प्रायः उन्हें पहले दर्जे के डिब्बों में बिठा लेते हैं अथवा यदि वे किसी दूर के डिब्बे में बैठते हैं तो यात्रियों को बहुत असुविधा होती है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार उनके लिये स्थानों का आरक्षण करने पर विचार करेगी; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) पहले दर्जे के यात्रियों के परिचारों के लिए तीसरे दर्जे के कक्ष में सीमित संख्या में कुछ सीटें निर्धारित की जाती हैं। परिचरों का कक्ष पहले दर्जे के डिब्बों के यथासम्भव पास रहता है । यदि पहले दर्जे के यात्री अपने परिचरों को पहले दर्जे में बिठाकर ले जाते हुए पाये जायें, तो परिचरों को निचले दर्जे के टिकट पर ऊंचे दर्जे में यात्रा करने का परिणाम भुगतना पड़ेगा । जनता के आरक्षण के लिए गाड़ियों में तीसरे दर्जे की जो सीटें/शायिकाएं उपलब्ध रहती हैं, सामान्य नियमों के अन्तर्गत वे परिचरों के लिए भी आरक्षित की जा सकती हैं । पहले दर्जे के यात्रियों की सुविधा के लिए पहले दर्जे की गलियारेदार डिब्बों में रेलवे के परिचर रखे जाते हैं ।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता ।

Uneconomic Railway Lines

*197. SHRI VISHWA NATH PANDEY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that all State Governments except Madhya Pradesh, who had been addressed by the Railway Board on the closure of certain uneconomic lines in their region, have opposed the move; and

(b) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA): (a) References in regard to closure of fourteen uneconomic lines were made to the eight State Governments concerned. Replies have so far been received from seven State Governments in respect of ten of them. Except for the Government of Madhya Pradesh, the States have opposed closure of these lines.

(b) The matter is being further examined.